PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 1
Width: 33.29 cms, Height: 33.24 cms, a3r, Ref: 22.2017-08-16.6

कश्मीरियों को गले लगाएंगे

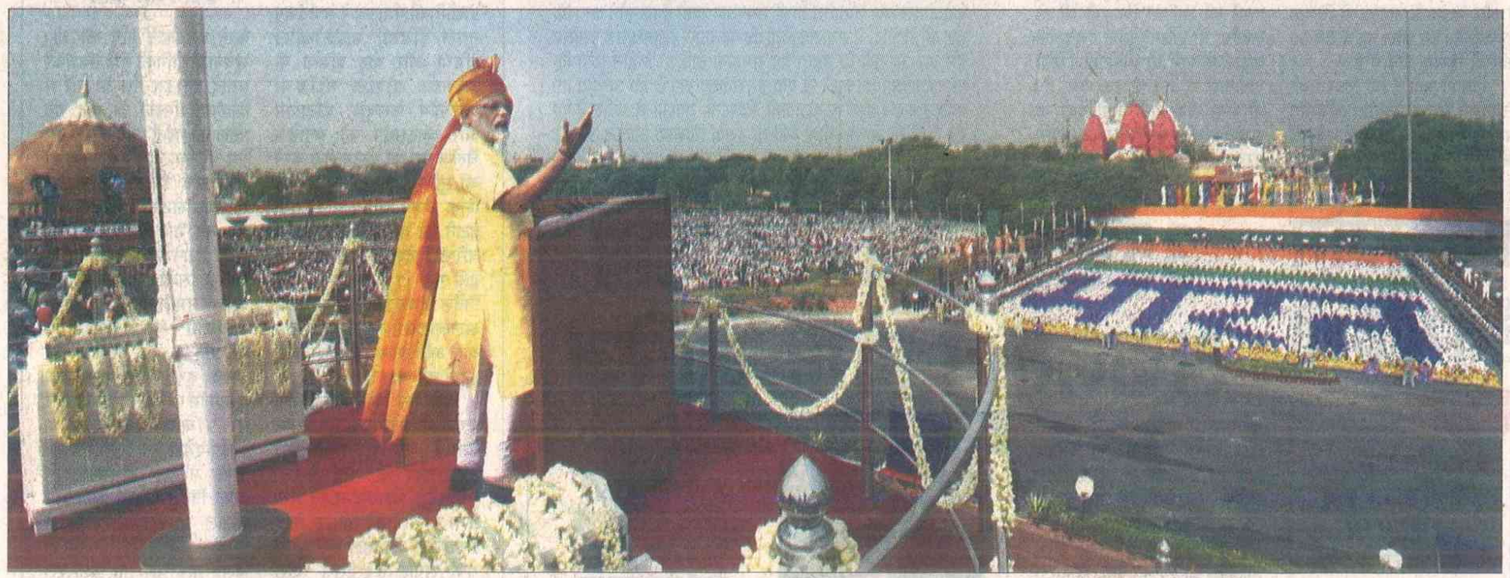

नई दिल्ली में मंगलवार को ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर से 71वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। (छाया : प्रेट्र)

गोलियों या गालियों से समस्या नहीं सुलझेगी, चंद अलगाववादी राज्य में समस्याएं पैदा करके फायदा उठाते हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

अशांति के दौर से गुजर रहे कश्मीर के लोगों को लक्षित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि गोलियों या गालियों से कश्मीर मुद्दे का हल नहीं हो सकता और प्रत्येक कश्मीरी को गले लगाकर ही इसका समाधान किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने 71वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र को अपने करीब 56 मिनट के संबोधन में इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने जातिवाद एवं सांप्रदायिकता को खारिज करते हुए कहा कि आस्था के नाम पर हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने चौथी बार लालकिले से अपने संबोधन में कश्मीर के लोगों को गले लगाने का आह्वान करते हुए कहा, न गाली से, न गोली से, परिवर्तन होगा गले लगाने से, समस्या सुलझेगी हर कश्मीरी को गले लगाने से। मोदी ने कहा कि चंद अलगाववादी राज्य में समस्याएं पैदा करने के लिए विभिन्न चालें चलते हैं किन्तु सरकार कश्मीर को फिर से स्वर्ग बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के विकास के सपने को पूरा करने में मदद के लिए जम्मू- कश्मीर सरकार ही नहीं बल्कि पूरा देश उनके साथ है।

▶ शेष पृष्ठ 14 पर

71वें स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री का संबोधन

1. भारत जल, नभ, थल और साइबर में भी किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम
2. आस्था के नाम पर हिंसा करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा
3. आपदाओं में जान गंवाने वाले लोगों और गोरखपुर के अस्पताल में मरने वाले बच्चों के साथ समूचे राष्ट्र की संवेदनाएं
4. जीएसटी, नोटबंदी जैसे निर्णयों से देश को आर्थिक तरक्की के रास्ते पर आगे ले जाने में मदद मिलेगी
5. तीन तलाक की लड़ाई लड़ने वाली महिलाओं के जज्बे को सलाम

सबसे छोटा स्वतंत्रता दिवस संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से चार साल में अब तक का सबसे छोटा भाषण दिया। मोदी ने अपने पिछले रेडियो संबोधन 'मन की बात' में कहा था कि उन्हें लोगों के शिकायत भरे पत्र मिले थे कि उनके स्वतंत्रता दिवस के भाषण बहुत लंबे होते हैं। मोदी ने जुलाई में 'मन की बात' में वादा किया था कि उनका इस बार का स्वतंत्रता दिवस भाषण छोटा होगा। मोदी ने अपने वादे पर कायम रहते हुए इस बार सिर्फ 54 मिनट का भाषण दिया, जो 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद से लेकर अब तक उनका सबसे छोटा भाषण है। उन्होंने 2014 में 65 मिनट, 2015 में 86 मिनट और 2016 में 94 मिनट का भाषण दिया था।

"मेरा हमेशा से मानना है कि मुद्दों का समाधान वार्ता और शांतिपूर्ण तरीके से ही किया जा सकता है। करीब 15 वर्ष पहले हमारी पार्टी ने नारा दिया था 'बंदूक से न गोली से, बात बनेगी बोली से' जो आज भी प्रासंगिक है।

महबूबा मुफ्ती, सीएम, जम्मू-कश्मीर

"कश्मीर मुद्दे का समाधान गोली या गाली से नहीं हो सकता। मेरा अनुमान है कि इसमें दोनों पक्ष आतंकवादी और सुरक्षा बल आ जाते हैं। उन टीवी चैनलों का क्या होगा जो कश्मीरियों के खिलाफ इन हथियारों को तैनात करते हैं।

उमर अब्दुल्ला
पूर्व मुख्यमंत्री

"नरेन्द्र मोदी के लालकिले की प्राचीर से कश्मीर पर दिए गए गोली और गाली वाले बयान का हम स्वागत करते हैं। अगर गोली-और गाली की जगह इंसानियत और इंसाफ आ जाए तो शांत कश्मीर का सपना हकीकत में बदल सकता है।

नीरवाइज उमर फारूक
अलगाववादी नेता

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 1
Width: 5.42 cms, Height: 33.92 cms, a3, Ref: 22.2017-08-16.6

कश्मीरियों को...

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जबकि कश्मीर घाटी में अशांति एवं हिंसा का दौर पिछले कुछ समय से बना हुआ है। आतंकवाद के प्रति कोई नरमी नहीं बरते जाने की प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा सरकार के लिए शीर्ष प्राथमिकता है तथा सर्जिकल स्ट्राइक ने उसको रेखांकित किया है। मोदी ने यह भी कहा कि विश्व में भारत का दर्जा बढ़ रहा है तथा आतंकवाद की समस्या से मुकाबले में कई देश भारत को सहयोग दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत किसी भी मोर्चे जल, थल अथवा साइबर आकाश में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। उन्होंने डोकलाम में चीन के साथ तनातनी की पृष्ठभूमि में यह बात कही। मोदी आज आधी बांह का कुर्ता, चूड़ीदार पायजामा और राजस्थानी साफा बांधकर आये थे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत देश के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक आपदाओं में मारे गये लोगों, और खासतौर से गोरखपुर के सरकारी अस्पताल में जान गंवाने वाले बच्चों का उल्लेख करते हुए कहा कि समूचे राष्ट्र की संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि भारत शांति, एकता एवं भाईचारे के पक्ष में है तथा जातिवाद एवं सांप्रदायिकता काम नहीं आएगी। उन्होंने आस्था के नाम पर हिंसा करने वालों की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। लालकिले से चौथी बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए मोदी ने अपनी सरकार की तीन साल की उपलब्धियों एवं प्रमुख निर्णयों विशेषकर जीएसटी लागू करने एवं नोटबंदी की चर्चा की। मोदी ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हम सभी क्षेत्रों में अपने देश की रक्षा करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, आजाद भारत में हर देशवासी के दिल में देश की रक्षा-सुरक्षा एक बहुत स्वाभाविक बात है। हमारा देश, हमारी सेनाएं, हमारे वीर पुरुष, हर वर्दीधारी बल, कोई भी हो, सिर्फ थलसेना, वायुसेना, नौसेना नहीं, सारे सशस्त्र बल, उन्होंने जब-जब मौका आया है अपना पराक्रम दिखाया है। अपना सामर्थ्य दिखाया है, बलिदान की पराकाष्ठा करने में ये हमारे वीर कभी पीछे नहीं रहे हैं। चाहे वाम चरमपंथ हो, चाहे आतंकवाद हो, चाहे घुसपैठिये हों, चाहे हमारे भीतर कठिनाइयां पैदा करने वाले तत्व हों। हमारे देश के इन वर्दी में रहने वाले लोगों ने बलिदान की पराकाष्ठा की है और जब सर्जिकल स्ट्राइक हुई, दुनिया को हमारा लोहा मानना पड़ा,

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 1
Width: 5.37 cms, Height: 45.72 cms, a3, Ref: 22.2017-08-16.6

हमारे लोगों की ताकत को मानना पड़ा। उन्होंने कहा कि जिस तरह आजादी के आंदोलन में नारा था भारत छोड़ो उसी तरह नारा होना चाहिए भारत जोड़ो। प्रधानमंत्री ने तीन तलाक मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, मैं उन बहनों का अभिनंदन करना चाहता हूं जो तीन तलाक के कारण बहुत ही दुर्दव्य जिंदगी जीने के लिए मजबूर हुई हैं। कोई आश्रय नहीं बचा है, और ऐसी पीड़ित, तीन-तलाक से पीड़ित बहनों ने पूरे देश में एक आंदोलन खड़ा किया है। देश के बुद्धिजीवी वर्ग को हिला दिया, देश के मीडिया ने भी उनकी मदद की, पूरे देश में तीन-तलाक के खिलाफ एक माहौल निर्माण हुआ। इस आंदोलन को चलाने वाली उन मेरी बहनों को, जो तीन-तलाक के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं, मैं हृदय से उनका अभिनदंन करता हूं और मुझे विश्वास है, कि माताओं-बहनों को अधिकार दिलाने में, उनकी इस लड़ाई में हिन्दुस्तान उनकी पूरी मदद करेगा। हिन्दुस्तान पूरी मदद करेगा और महिला सशक्तिकरण के इस महत्वपूर्ण कदम में वो सफल होके रहेगी, ऐसा मुझे पूरा भरोसा है।''

देश में एक जुलाई से लागू किये गये जीएसटी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सहयोगपूर्ण संघवाद का यह एक प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद अंतर्राज्यीय सीमा चौकियों के हटने से वस्तुओं की आवाजाही में 30 प्रतिशत समय कम हुआ है तथा करोड़ों रुपये की बचत हुई है। काले धन के सफाये पर अपनी प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों की समाप्ति के पिछले साल नवंबर के फैसले के चलते तीन लाख करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति बैंकिंग प्रणाली में आयी है। मोदी ने कहा कि नोटबंदी के बाद 1.75 लाख करोड़ रुपये बैंकों में जमा कराये गये तथा आय से अधिक संपत्ति के मामले में 18 लाख से अधिक लोग सरकार के समीक्षा दायरे में हैं। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने देश को लूटा, जिन लोगों ने गरीबों को लूटा, वे आज चैन की नींद नहीं सो सकते। उन्होंने देश के लोगों से चलता है रुख को त्यागने तथा बदल सकता है रुख को अपनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने बालगंगाधर तिलक के स्वराज के नारे का स्मरण करते हुए कहा कि अब हमारा ध्येय वाक्य सुराज होना चाहिए। उन्होंने कहा, नया भारत हमारी सबसे बड़ी ताकत है, लोकतंत्र है लेकिन हम जानते हैं कि हमने लोकतंत्र को मत-पत्र तक सीमित कर दिया है। लोकतंत्र मत-पत्र तक सीमित नहीं हो सकता और इसलिए हम नये भारत में उस लोकतंत्र पर बल देना चाहते हैं जिसमें तंत्र से लोक नहीं, लेकिन लोगों से तंत्र चले, ऐसा लोकतंत्र नये भारत की पहचान बने, उस दिशा में हम जाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, लोकमान्य तिलक जी ने कहा था, स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। आजाद भारत में हम सबका मंत्र होना चाहिए, सुराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। सुराज्य हम सबका दायित्व होना चाहिए। नागरिक को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, सरकारों को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, देश जब स्वराज्य से सुराज्य की ओर चलता है, तो देशवासी पीछे नहीं रहते। जब मैंने गैस सब्सिडी छोड़ने के लिए कहा, देश आगे आया। स्वच्छता की बात कही, आज भी हिन्दुस्तान के हर कोने में कोई न कोई स्वच्छता के अभियान को आगे बढ़ा रहा है।